पैग-लेग बेट्स

लिन बाराश

क्लेटन "पेग-लेग" बेट्स बीसवीं शताब्दी के महान टैप नर्तकों में से एक थे. जब वो युवा थे तब क्लेटन को नृत्य करना पसंद था, लेकिन जब उन्होंने बारह वर्ष की उम्र में एक कारखाने में अपना बायाँ पैर खो दिया, तो किसी ने भी यह यह उम्मीद नहीं थी कि वो फिर कभी चल पाएंगे, या फिर नृत्य करेंगे. लेकिन क्लेटन की रचनात्मक भावना अभी भी जीवित थी. जल्द ही उन्होंने बैसाखी का उपयोग करके नृत्य करना शुरू किया, फिर एक खूंटी (लकड़ी) के पैर पर नाचने लगे. कुछ ही समय बाद उनका लकड़ी का पैर उनके दूसरे पैर की नृत्य क्षमता को मैच करने लगा.

पेग-लेग बेट्स ने पूरे अमेरिका और यूरोप में प्रदर्शन किया. उन्होंने नृत्य की अपनी अनूठी शैली से दर्शकों का दिल जीता. वह एक अद्भुत शो-मैन थे और हर किसी के लिए प्रेरणा के स्रोत थे. दृढ़ संकल्प और जीवन के लिए अथाह प्रेम से, उन्होंने अपनी बदनसीबी को जीत में बदला. उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि उनके जीवन का असाधारण उदाहरण थी, जो उन्होंने हम सबके सामने रखा.

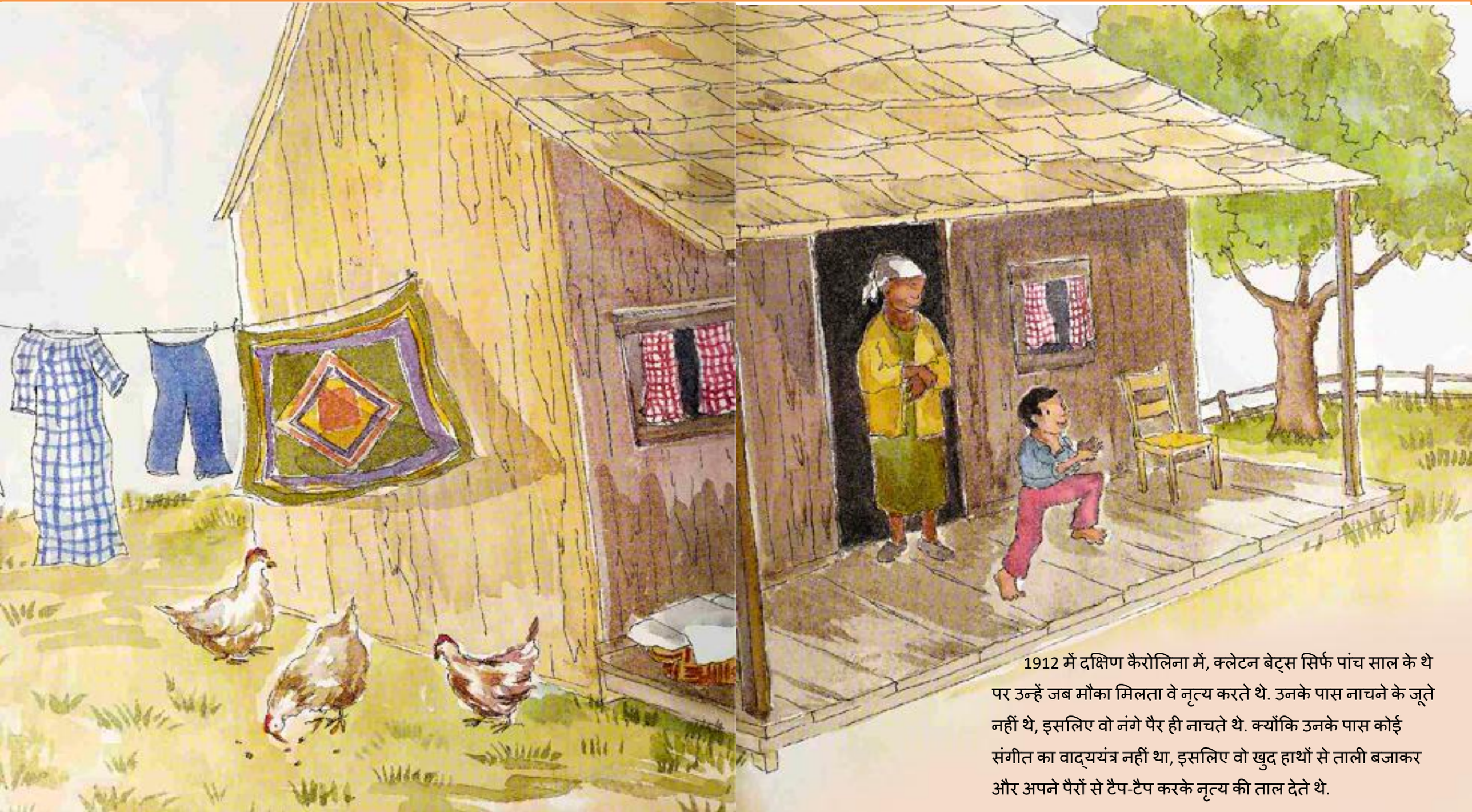

1912 में दक्षिण कैरोलिना में, क्लेटन बेट्स सिर्फ पांच साल के थे पर उन्हें जब मौका मिलता वे नृत्य करते थे. उनके पास नाचने के जूते नहीं थे, इसलिए वो नंगे पैर ही नाचते थे. क्योंकि उनके पास कोई संगीत का वाद्ययंत्र नहीं था, इसलिए वो खुद हाथों से ताली बजाकर और अपने पैरों से टैप-टैप करके नृत्य की ताल देते थे.

क्लेटन के माँ एक बटाई मज़दूर थीं, जो एक गोरे मालिक की ज़मीन पर कपास उगाती थीं. उन्हें बहुत कम मज़दूरी मिलती थी. गोरा मालिक उन्हें जो मज़दूरी देता उसे स्वीकार करने के अलावा उनके पास और कोई चारा नहीं था. उस समय अमरीका के दक्षिण के ग्रामीण इलाकों में यह एक आम बात थी.

क्लेटन को खेती से बिल्कुल नफरत थी. इसलिए खेती के काम से बचने के लिए, वो शहर में नाई की दुकान पर चले जाते थे. वहां उन्हें अपना नृत्य देखने वाले कुछ दर्शक मिल जाते थे.

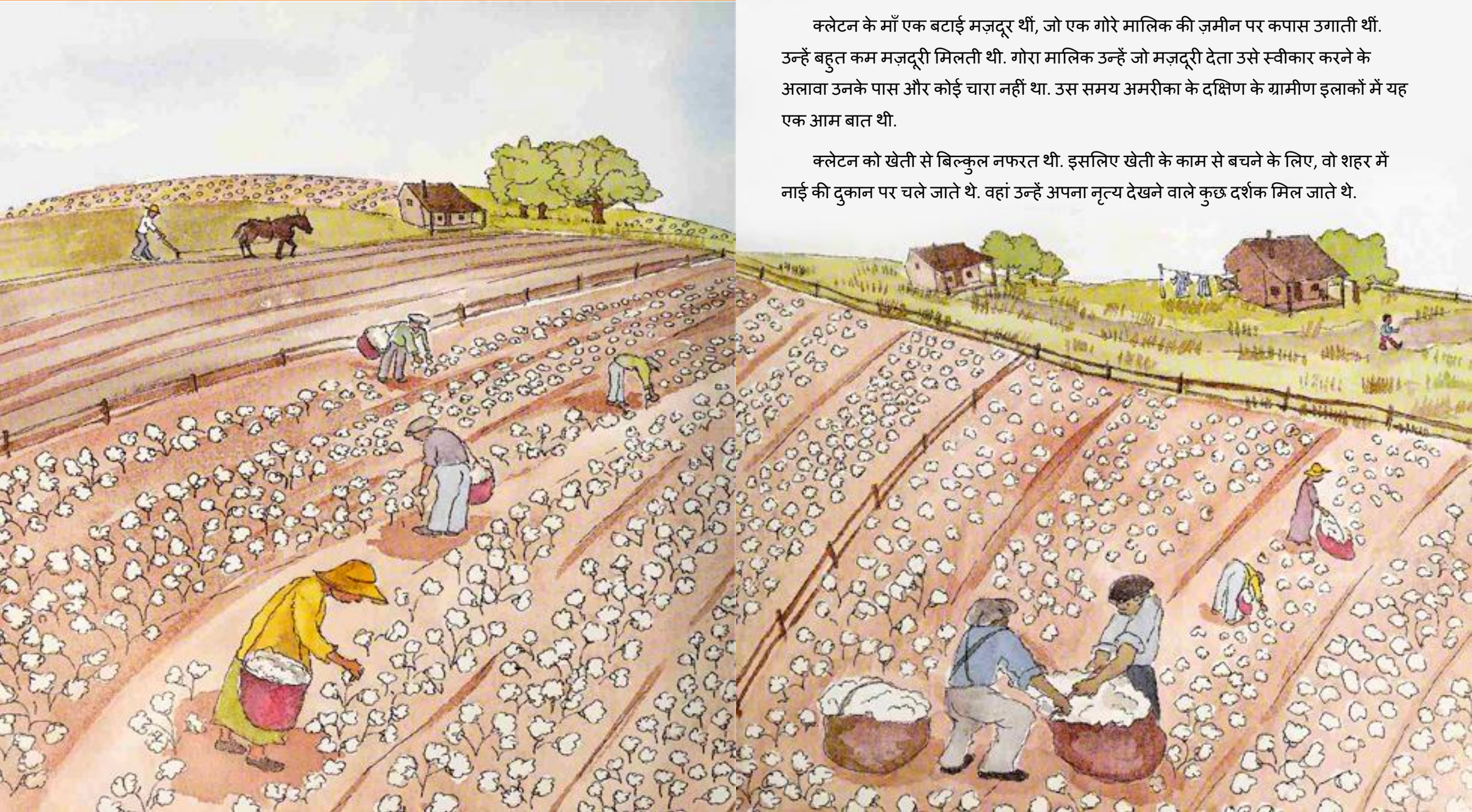

नाई की दुकान पर क्लेटन गोरे लोगों के लिए नृत्य करते थे. शो के बाद गोरे उनकी ओर कुछ सिक्के फेंक देते थे. वो उनके लिए "बक" नृत्य करते थे. उन्हें तब यह नहीं पता था कि वो वास्तव में टैप नृत्य कर रहे थे.

जब माँ को अपने बेटे की याद आती, तो वो क्लेटन के पीछे दौड़तीं और भीड़ से कहतीं. "तुम मेरे लड़के को एक नाचने वाला बंदर मत बनाओ!" और फिर वो क्लेटन को घर वापस ले जातीं.

पर उससे क्लेटन का नाचना बंद नहीं हुआ. उन्हें कोई भी नहीं रोक सका. उन्हें नृत्य में ही सबसे ज़्यादा मज़ा आता था, और वो नाचने के लिए जो कुछ कर सकते थे वो हमेशा करते थे.

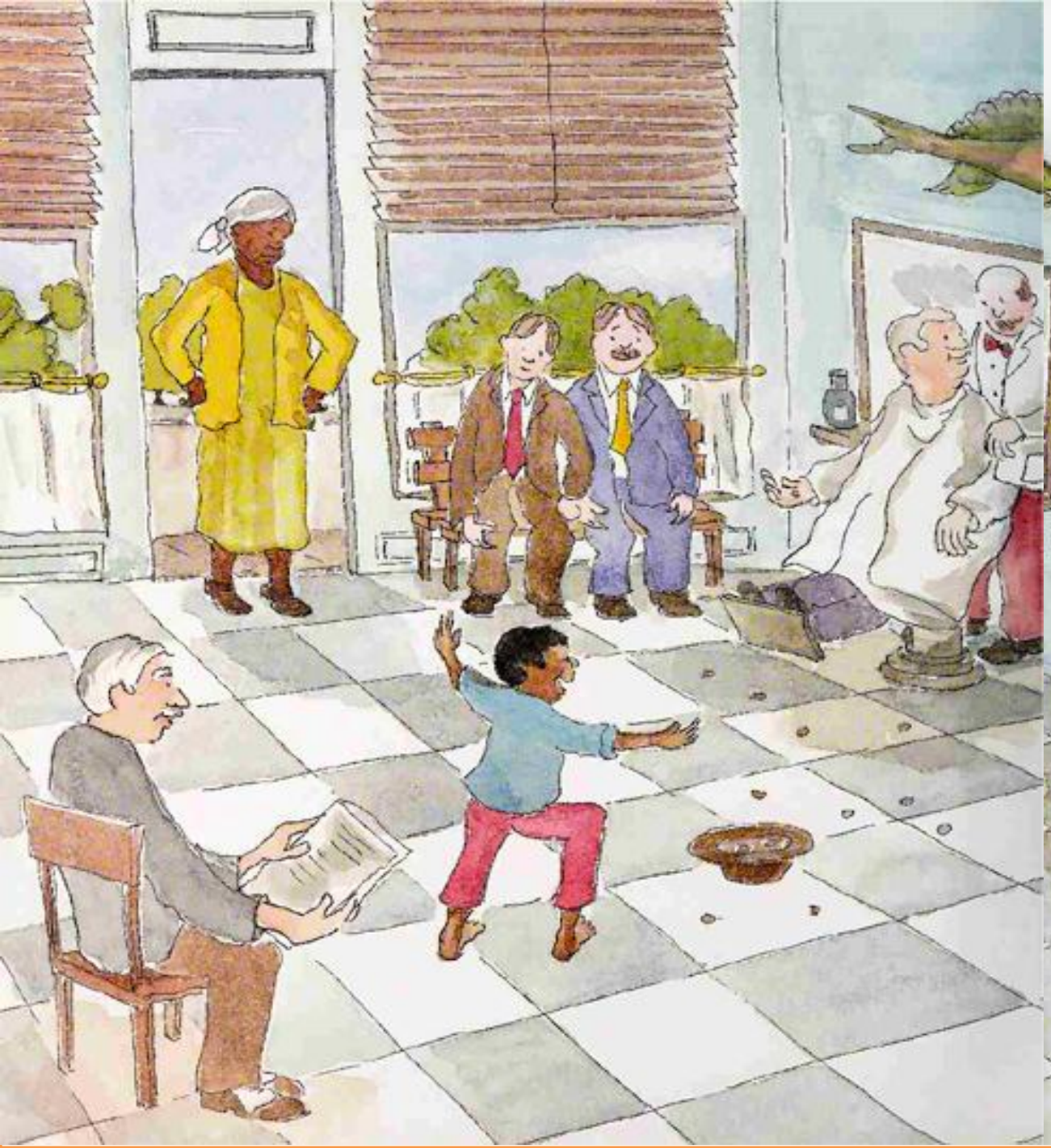

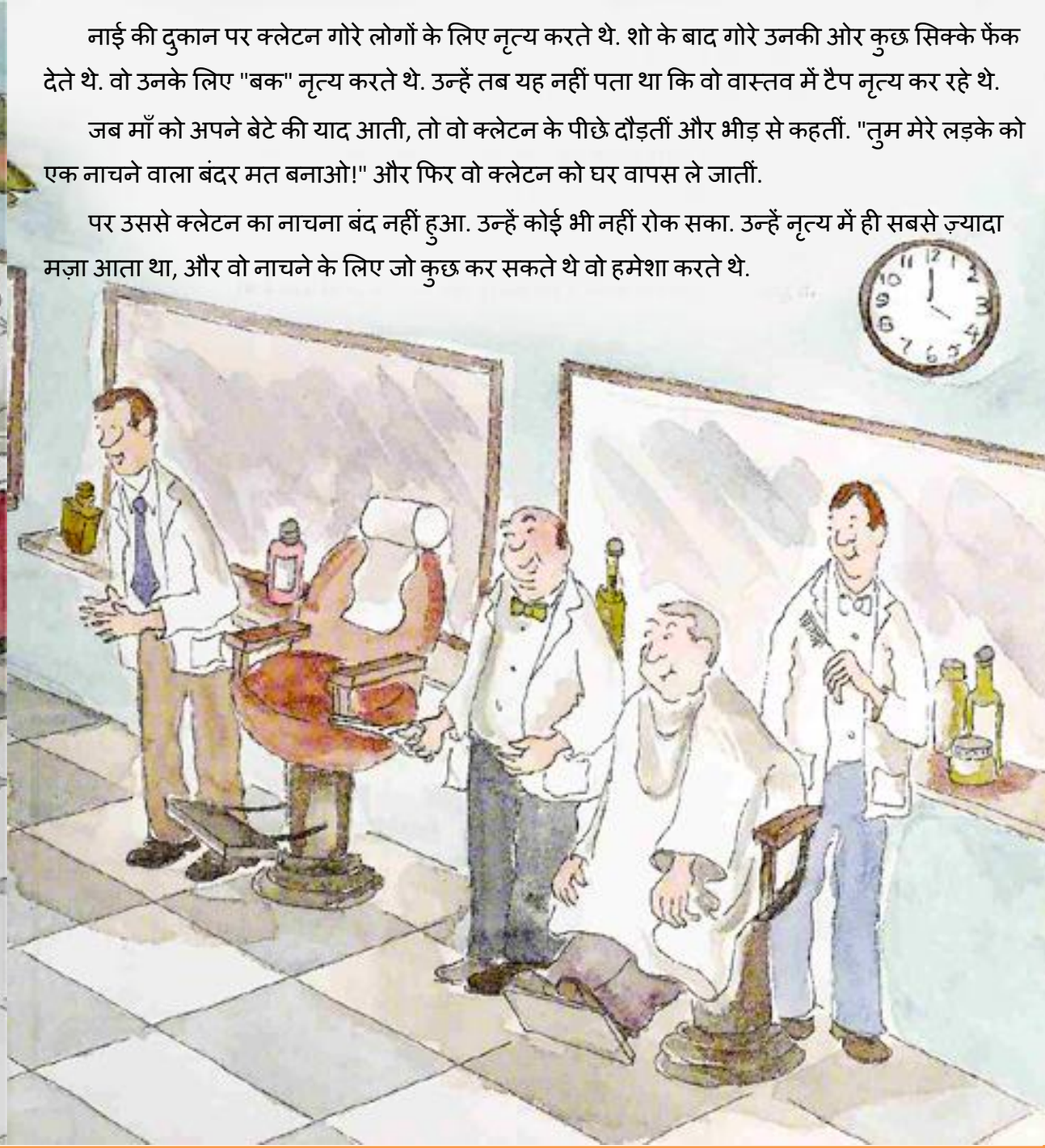

जब क्लेटन बारह साल के हुए तो उन्होंने अपनी माँ से पूछा कि क्या वो खेत के काम से बचने के लिए स्थानीय कपास के बीज की मिल में काम कर सकते हैं. माँ नहीं चाहती थीं कि वो ऐसा करें. वो फैक्ट्री का काम करने के लिए अभी बहुत छोटे थे.

कई हफ्तों बाद क्लेटन ने फिर विनती की. माँ ने कहा, "मैं इस बात को प्रभु के पास रखूंगी और उनसे पूछूंगी कि क्या करना चाहिए."

अगली सुबह मामा ने "हाँ" कह दिया. यह पता नहीं कि वो प्रभु की इच्छा थी या क्लेटन ने अपनी ज़िद्द से माँ को थका दिया था.

क्लेटन मिल में काम करने लगे. पर तीसरे दिन ही एक भयानक दुर्घटना घटी. उनका बायां पैर मशीन में फंस गया. उनके पैर को काटना पड़ा, लेकिन वो अस्पताल में नहीं किया गया. 1919 में, अमरीका के दक्षिण में एक गरीब काले लड़के के लिए अस्पताल जाना संभव नहीं था. स्थानीय डॉक्टरों ने घर पर रसोई की मेज पर ही ऑपरेशन किया.

किसी ने नहीं सोचा कि क्लेटन फिर से कभी चल पाएगा.

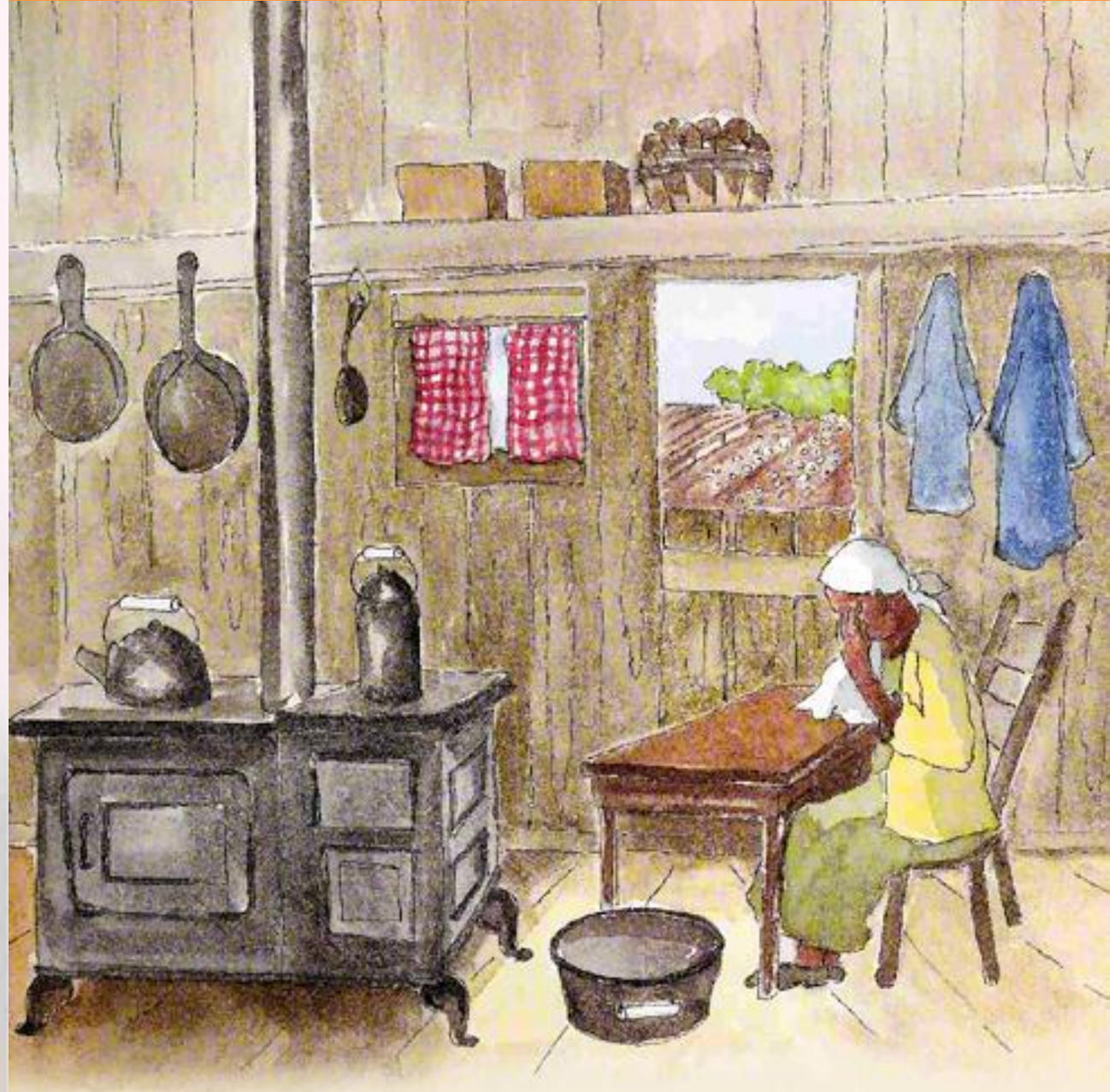

माँ ने रोते हुए कहा, "मैंने भगवान को गलत सुना होगा!"

माँ ने जो कुछ सुना, वो सही था या गलत, पर क्लेटन का जीवन अब कभी भी सामान्य नहीं होगा. उनके लिए वो गहरी निराशा के क्षण थे, लेकिन उनकी आत्मा में कुछ ऐसा था जिसने उन्हें घुटने टेकने नहीं दिए. वो अभी युवा थे और उनका जीवन उमंग से भरा था. उनके दिमाग में संगीत की लय थीं उन्हें उन धुनों को बस बाहर निकालना था.

जल्द ही क्लेटन ने बांस के दो डंडों से एक बैसाखी बनाई और उनके सहारे चलने लगे.

जल्द ही क्लेटन संगीत की धुनों को बैसाखी की मदद से लय देने लगे. उन्हें बस नाचना अच्छा लगता था! फिर चाचा ने उनके लिए एक लकड़ी की टांग - एक खूंटी बना दी. उस खूँटी के छोर पर आधी रबर थी जिससे वो फिसले नहीं और आधा चमड़ा था जो आवाज़ करे. अपने दाहिने पैर में क्लेटन ने "टैप" नृत्य का विशेष जूता पहना.

क्लेटन ने उनसे अद्भुत लय पैदा कीं. धीरे-धीरे करके "पैग-लेग बेट्स" का सिक्का जमने लगा.

जब माँ ने क्लेटन को देखा, तो उन्होंने सोचा. नृत्य में ही उसका भविष्य है, और उसमें उसे कोई भी नहीं रोक पाएगा. शायद मेरे क्लेटन के लिए यही सबसे अच्छा होगा.

नाचते समय वो सभी सामान्य कदम रखते और चाल चलते थे

वो कुछ अजीब करतबें

वो क्रैंप रोल भी करते थे.

और पुलबैक भी करते थे.

लेकिन जब पेग-लेग वो नृत्य करते, तो वो उसे अपने खुद के ख़ास अंदाज़ में करते थे. किसी ने भी टैप नृत्य में इस तरह का अंदाज़ पहले कभी कुछ नहीं देखा था.

पेग-लेग ने अपना करियर काले दर्शकों के लिए नाचने से शुरू किया. उन्हें इस पर काफी गर्व था. वो हर पोशाक के साथ मैचिंग लकड़ी के पैर की खूंटी पहनते थे.

पेग-लेग अक्सर अपने नृत्य प्रदर्शन का समापन विशेष अमेरिकन “जेट प्लेन” नृत्य से करते थे. उसके लिए वो मंच पर टैप करते समय हवा में पाँच फीट ऊंचे उछलते थे और फिर दूसरे पैर की खूंटी पर सीधे लैंड करते थे, उस समय उनका दूसरा पैर लेटी स्थिति में सीधा होता था. उसे देखने के बाद दर्शक खड़े होकर तालियां बजाते और उनकी वाह-वाही करते थे .

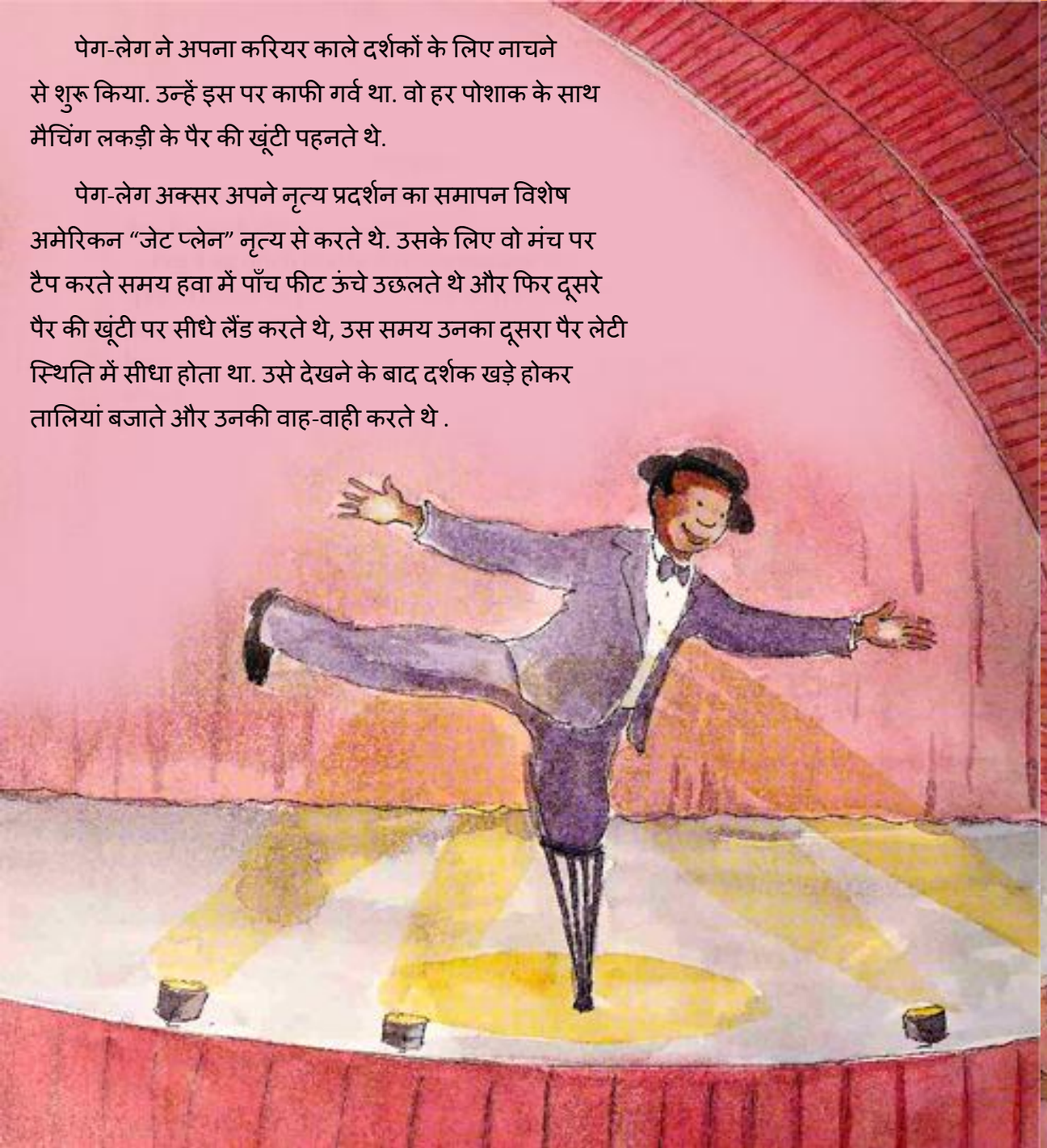

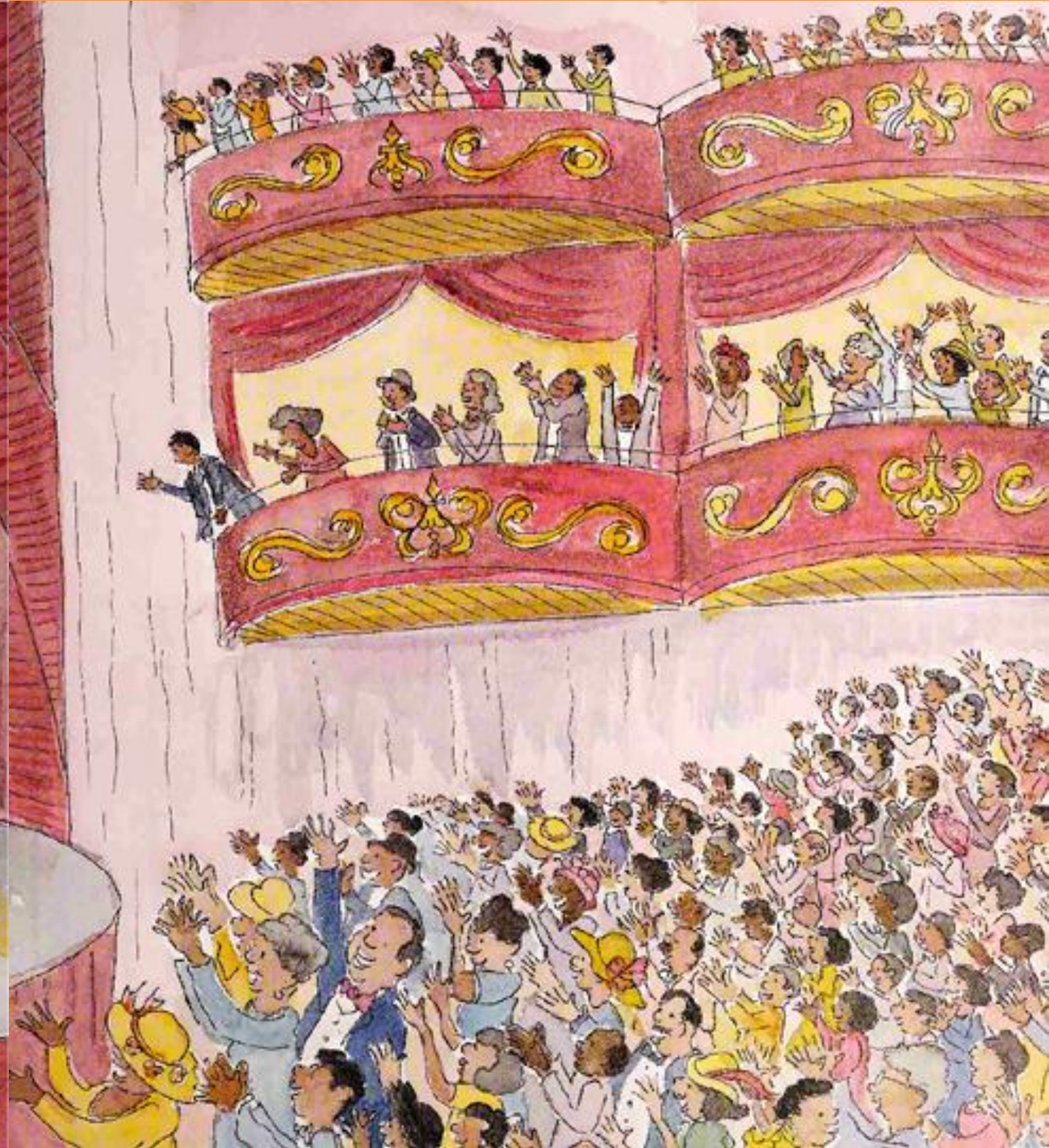

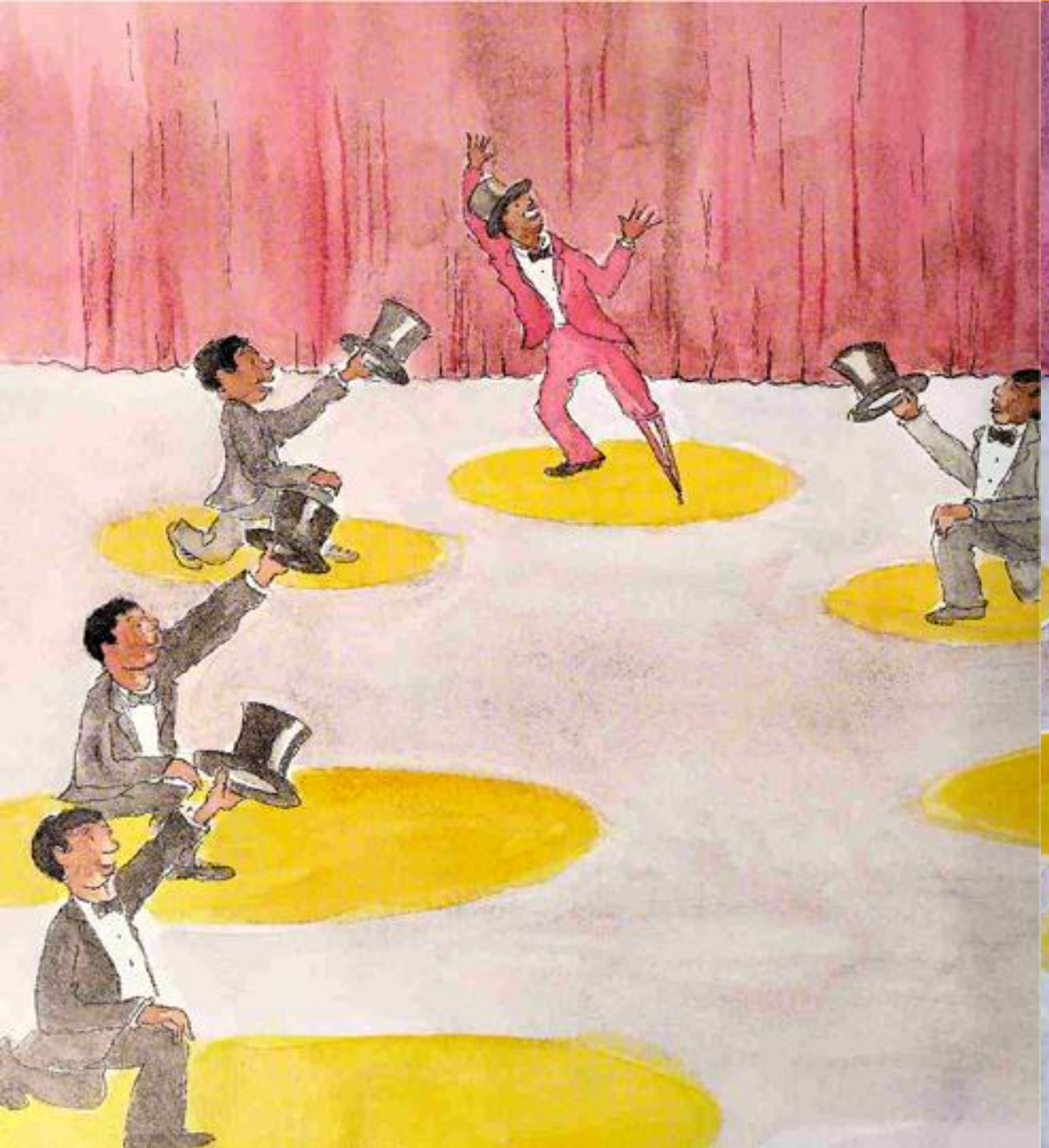

उन्होंने अन्य अश्वेत कलाकारों के साथ पूरे अमरीका की
यात्रा की, और विभिन्न संगीत कार्यक्रमों में नृत्य किया.

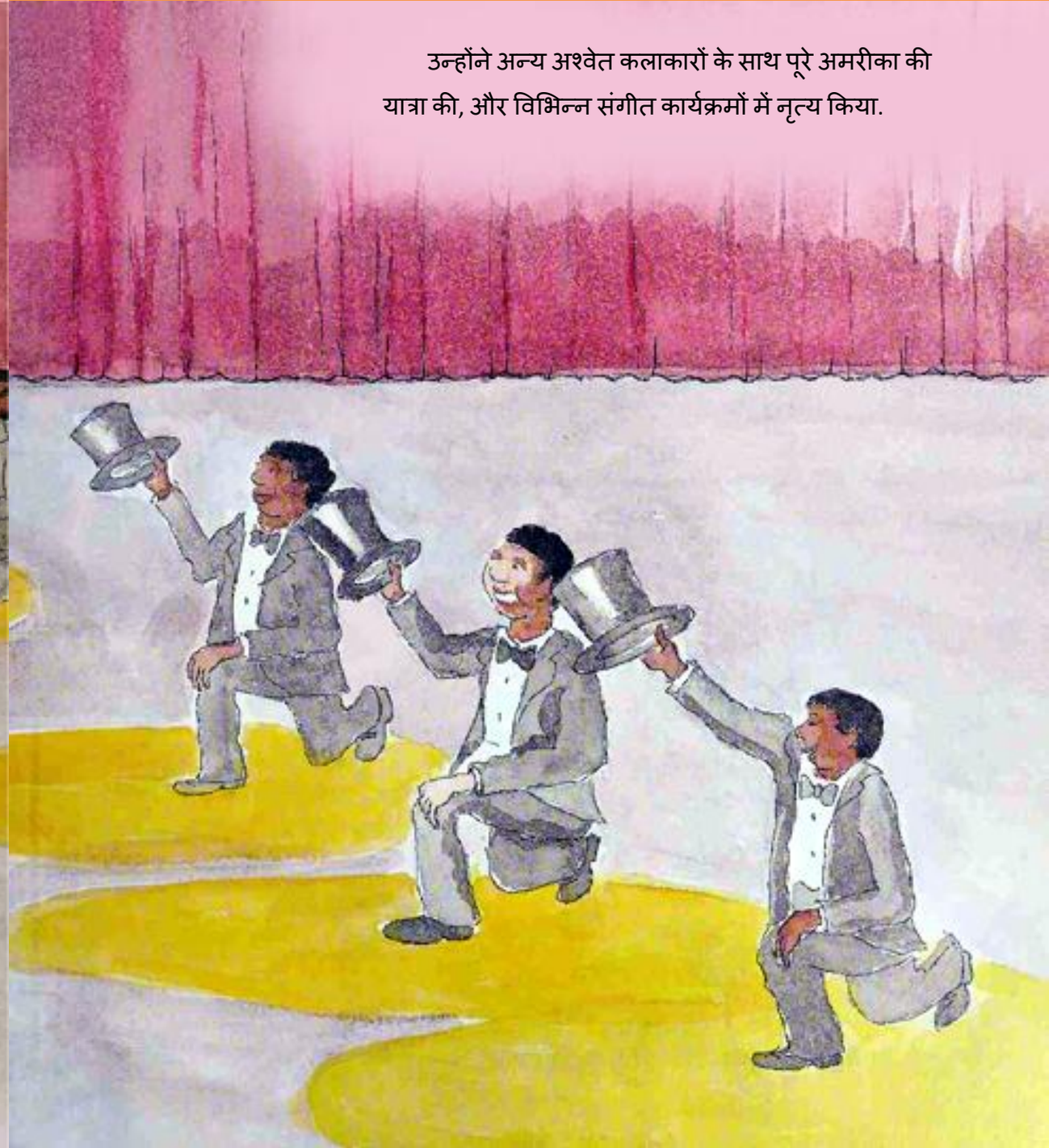

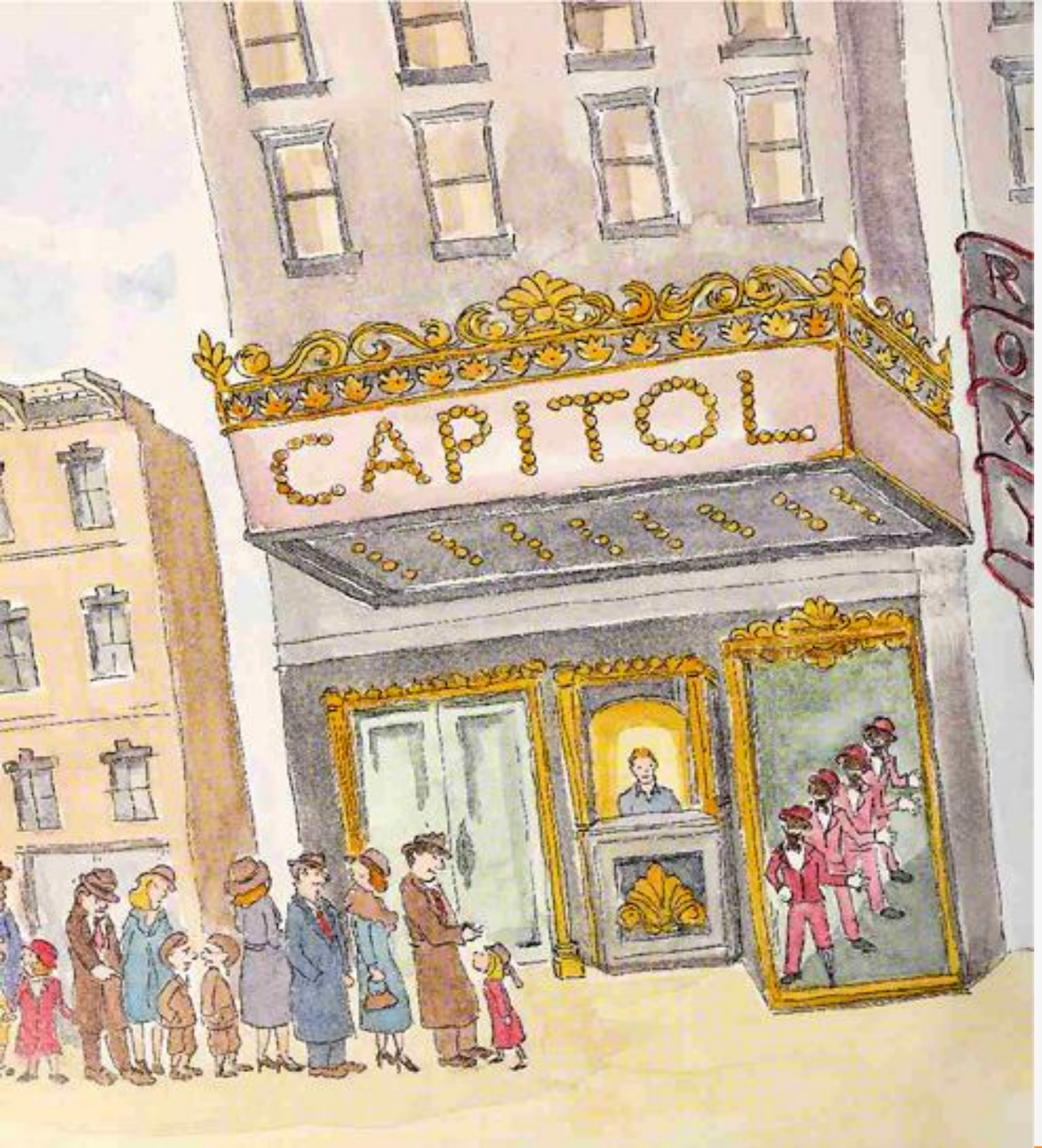

धीरे-धीरे पेग-लेग के कार्यक्रम को देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ने लगी. गोरे लोगों के थिएटर जहाँ केवल श्वेत कलाकार और दर्शकों को ही अनुमति थी, अब वे भी क्लेटन को बुलाने लगे. वहां पर श्वेत नर्तकियां अपने मुंह को काला करके नाच करती थीं. पेग-लेग ने भी इसी मेकअप में नृत्य करते थे. उससे किसी को उनके अश्वेत होने का पता नहीं चलता था.

शो ख़त्म होने के बाद पेग-लेग और अन्य कलाकारों को, थिएटर के पास खाने की अनुमति नहीं थी. खाने के लिए उन्हें शहर के काले हिस्से के रेस्तरां में जाना पड़ता था. पेग-लेग ने इस अनुचित व्यवहार को इसलिए सहन किया ताकि उनका नाच ज़ारी रहे.

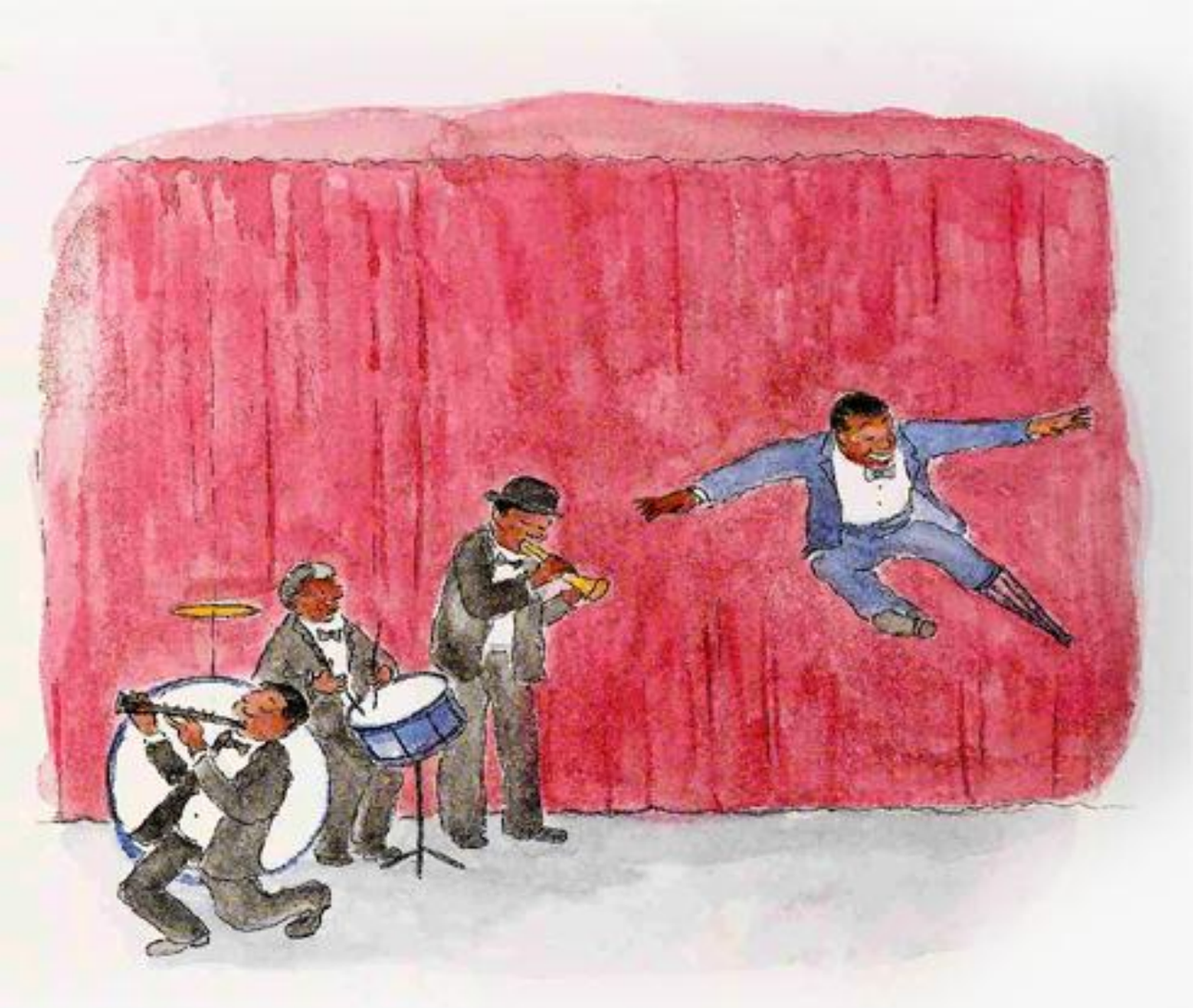

अंत में पेग-लेग बेट्स को इतनी शोहरत और पहचान मिली कि फिर उन्हें भेष बदलने की कोई जरूरत ही नहीं पड़ी. उन्होंने एड सुल्लिवन टेलीविजन शो और फिल्मों में नृत्य किया. जब उन्होंने न्यूयॉर्क के हार्लेम के कॉटन क्लब में नृत्य किया, तब वो एक स्टार - एक महान कलाकार बन गए.

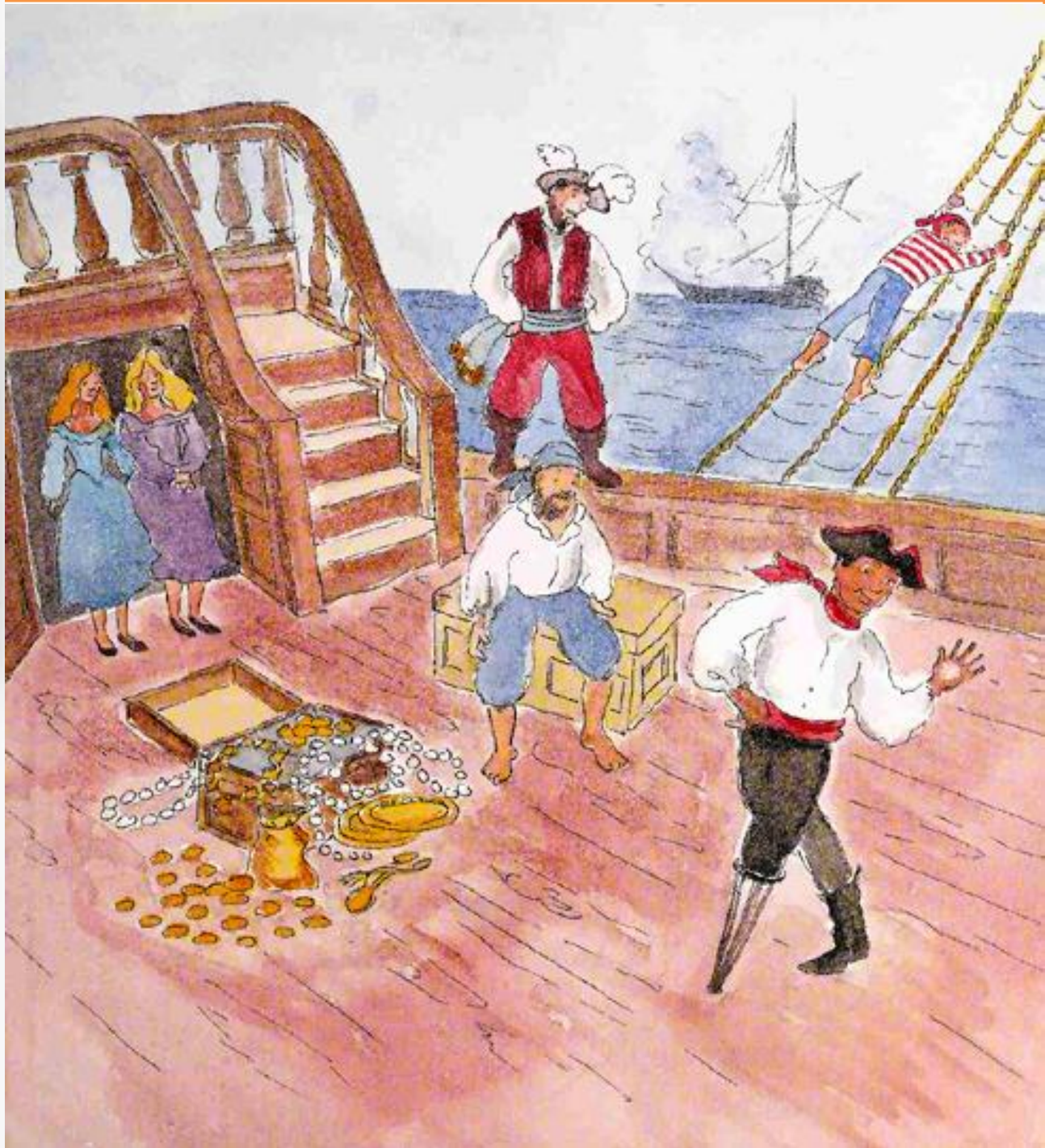

उन्होंने इंग्लैंड के राजा और रानी के लिए भी नृत्य किया.

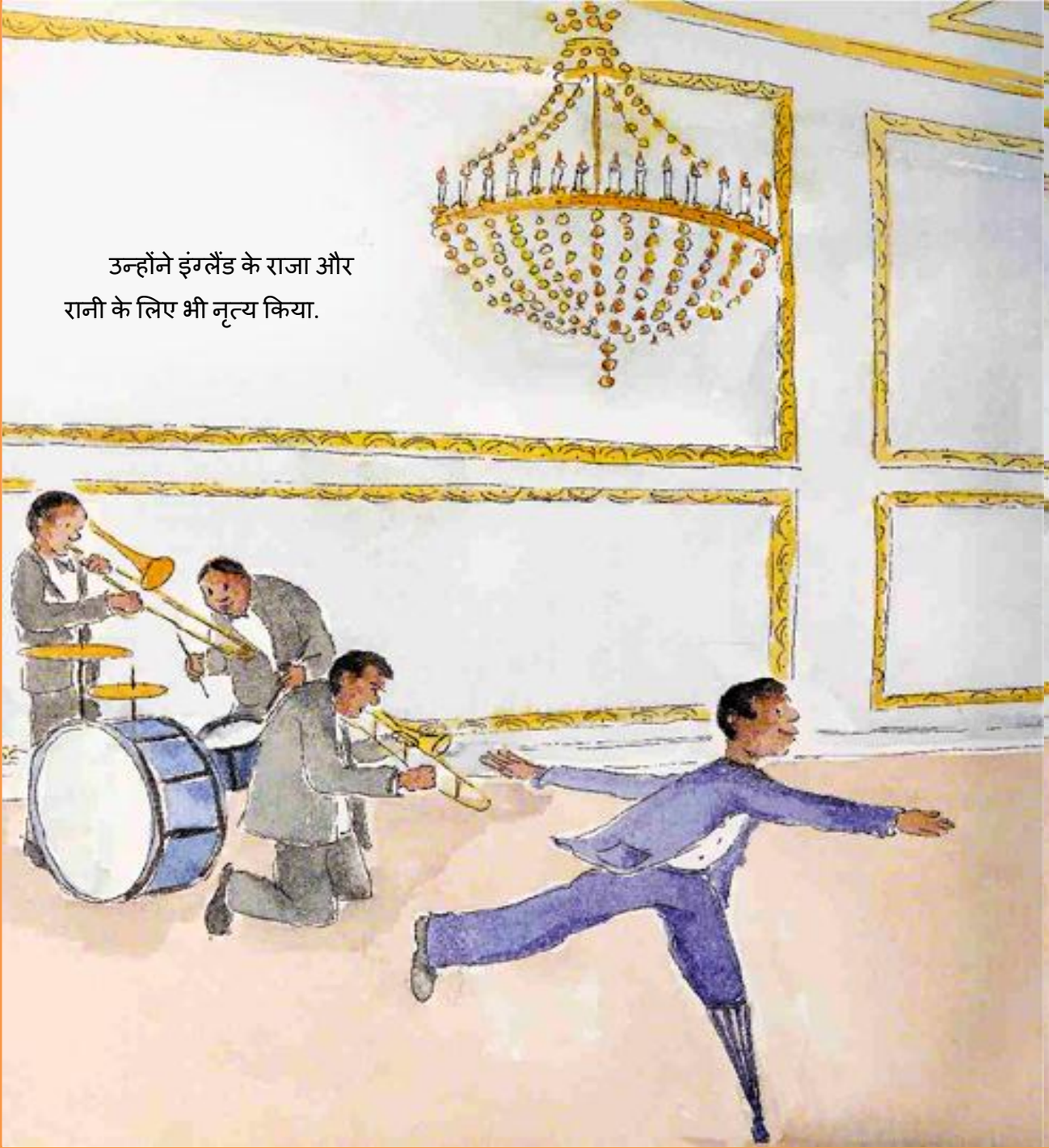

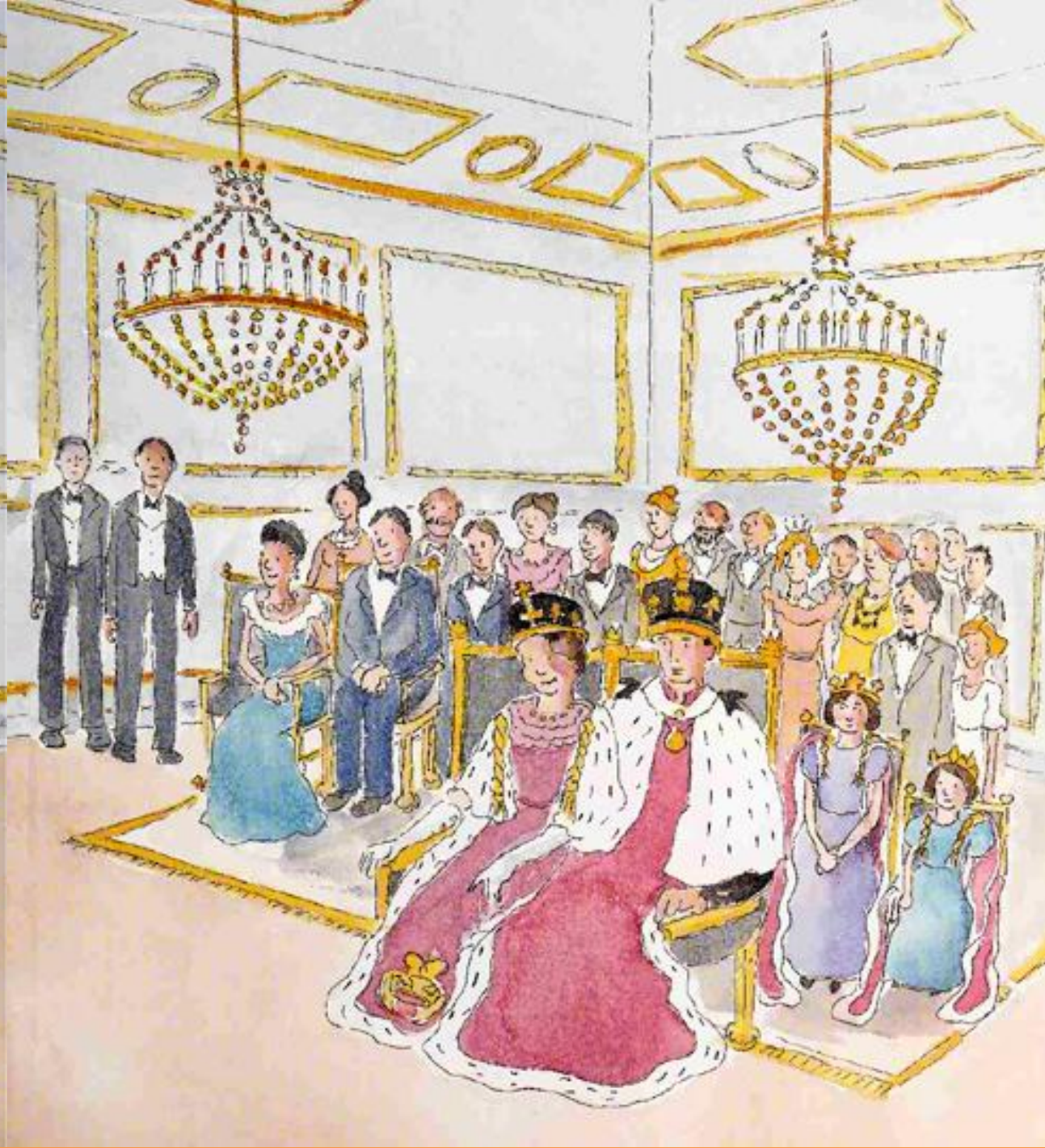

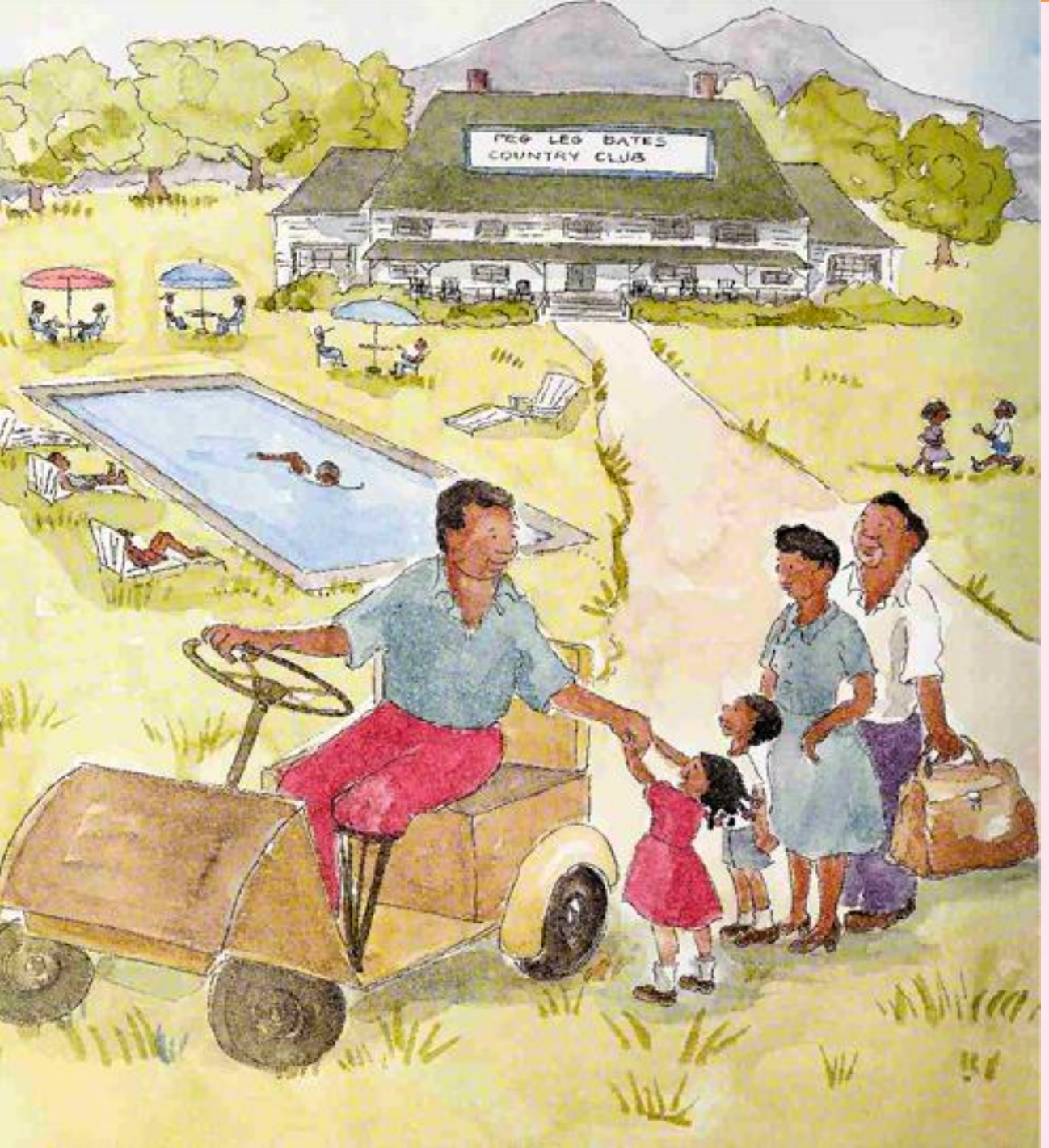

पूरी दुनिया में शो करने के बाद और फिर वहां भोजन और सोने की सुविधा से वंचित होने से तंग आकर पेग-लेग ने अपना खुद का रिसॉर्ट होटल बनाने का फैसला किया. उन्होंने वहां पर अश्वेत लोगों का हमेशा स्वागत किया. 1951 में उन्होंने न्यूयॉर्क के कैटस्किल पहाड़ी पर "पेग-लेग बेट्स कंट्री क्लब खोला". पैंतीस से अधिक वर्षों तक, उन्होंने वहां प्रदर्शन किया और अपने मेहमानों का मनोरंजन किया.

अत्यंत विषम परिस्थितियों के बावजूद, पेग-लेग बेट्स को, कोई कभी भी, कुछ भी करने से नहीं रोक पाया.

आप काले हों या सफेद, आपका एक पैर हो या दो, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है. क्योंकि अच्छा, हमेशा अच्छा ही होता है.

पेग-लेग, दो पैरों वाले अच्छे टैप डांसर्स जैसे ही थे, या उनसे भी बेहतर थे. "मेरे साथ कोई भी टक्कर नहीं ले पाया. वैसे कई लोगों ने कोशिश करके देखी."

"मुझे दयादृष्टि से में मत देखो. मैं जो हूँ मैं उसी में खुशी हूं. मुझे लकड़ी पर टैप (दस्तक) करना अच्छा लगता है. जब तक मैं कल्पनाओं और गर्म जिमनास्टिक को एक-साथ मिलाता रहूंगा तब तक मैं - पेग-लेग बेट्स, एक पैर वाला डांसिंग-मैन बना रहूंगा!"

क्लेटन "पेग-लेग" बेट्स, 1907-1998

समाप्त